an>

Title: Regarding alleged irregularities in construction of road under Pradhan Mantri Gramin Sadak Yojana in Sheohar Parliamentary Constituency of Bihar.

श्रीमती रमा देवी (शिवहर): सभापति महोदय, प्रधान मंत्री ग्रामीण सड़कों को व्यापक रूप से निर्मित करने के लिए माननीय वाजपेयी जी ने एक अच्छी शुरूआत की थी। लक्ष्य निर्धारित किये गये। कुछ लक्ष्यों की आंशिक रूप से प्राप्ति भी हुई, परन्तु यूपीए के गत वर्षों के शासनकाल में और विशेष कर वर्तमान बिहार सरकार के दौरान बिहार में पी.एम.जी.एस.वाई. सड़कों का निर्माण एवं रख-रखाव खस्ताहाल है। राज्य की ग्रामीण सड़कें जर्जर हैं। लालफीताशाही एवं अफसरशाही का बोलबाला है और केन्द्र सरकार द्वारा प्रायोजित सभी योजनाएं खस्ताहाल हैं।

मैंने स्वयं क्षेत्र भ्रमण के दौरान यह पाया कि मेरे संसदीय क्षेत्र शिवहर में सड़क बन चुकीं या बन रही पी.एम.जी.एस.वाई. सड़कों के निर्माण में भारी अनियमितता बढ़ती गई है। भ्रष्टाचार के चलते हमारी ग्रामीण जनता आवागमन की सुविधा से वंचित है। वैसे तो हम ग्रामीण सड़कों को ग्रामीण भारत की जीवन रेखा कहते हैं, परन्तु, अगर हम ये सड़कें निर्मित नहीं कर पाते हैं या इनका रख-रखाव नहीं कर पाते हैं तो यह ग्रामीण जनता को सजा देने के बराबर है। बिजली, पानी के फ्रंट पर बिहार सरकार फेल हो चुकी है। अब वह केन्द्र द्वारा प्रायोजित पी.एम.जी.एस.वाई. की सड़कों को भी गंभीरता से नहीं ले रही है। मैं स्वयं बिहार सरकार के ग्रामीण कार्य सचिव, डी.एम. एवं अभियंताओं से मिल चुकी हूं। परन्तु, मुझे अफसोस के साथ कहना पड़ रहा है कि एक सांसद होने के बावजूद भी मेरे क्षेत्र में 45 सड़कें जो वर्षों पहले स्वीकृत हुई थीं अभी तक नहीं बन पायी हैं। सड़कों के अभाव में ग्रामीणों में आक्रोश है और वे यदा-कदा घेराव भी करते हैं। जिसके कारण कानून व्यवस्था की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। ठेकेदारों, अभियंताओं एवं अधिकारियों का गठजोड़ पी.एम.जी.एस.वाई. को सफल नहीं होने देने का सबसे बड़ा कारण है।

महोदय, मेरे संसदीय क्षेत्र शिवहर के अंतर्गत पूर्वी चम्पारण जिला के मधुबन प्रखंड में कृष्ण नगरा गांव एनएच 104 से दुबहा दोस्तिया रोड के निर्माण की ओर दिलाना चाहती हूं जिसका निर्माण प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के अंतर्गत हो रहा है। इस पथ की लम्बाई 2.097 किलोमीटर है और इसके निर्माण पर एक करोड़ 42 लाख रुपए का खर्च होना है। इस पथ के निर्माण का कार्य वर्ष 2012-13 में हर्षवर्धन कंस्ट्रक्शन को आवंटित किया गया था जिसे टेंडर एग्रीमेंट के अनुसार 18 अप्रैल 2014 तक पूरा कर लेना था परन्तु तीन महीने बीत जाने के बाद भी सड़क निर्माण का कार्य पूरा नहीं हो पाया है। कृष्ण नगरा गांव एनएच 104 दुबहा दोस्तिया रोड के आस-पास रहने वालों का डेलीगेशन मुझसे मिला था एवं निर्माण कार्य पर असंतोष व्यक्त किया था। लोगों का कहना था कि साइट पर जो मैटीरियल गिरा है वह भी घटिया है। उस कम्पनी के पास साइट पर कार्य करने के लिए अपनी कोई मशीन भी नहीं है। यह कम्पनी छेटे-छोटे ठेकेदारों को काम बांट कर अपना काम कराता है जो काफी घटिया स्तर का होता है। जो रोड निर्मित हो चुकी है, वह भी आधी-अधूरी है। अतः सरकार से अनुरोध है कि उपरोक्त स्थितियों को ध्यान में रखते हुए हर्षवर्धन कंस्ट्रक्शन को तत्काल प्रभाव से हटा कर उसकी जांच कराते हुए उसे काली सूची में डाला जाए तथा कृष्णा नगर गांव एनएच 104 से दुबहा दोस्तिया रोड के निर्माण का कार्य किसी अन्य संवेदक को दिया जाए ताकि क्षेत्र की जनता को आवागमन की सुविधा मिल सके एवं सरकार की छवि भी बेहतर दिख सके।

माननीय गडकरी जी ने पिछले दिनों संसद में चर्चा के दौरान कहा कि जीपीएस टेक्नोलॉजी के माध्यम से वे योजनाओं की निगरानी करेंगे। मेरा उनसे आग्रह है कि वे आईटी एवं (जीपीएस) स्पेस टेक्नोलॉजी के माध्यम से वे पीएमजीएसवाई योजनाओं की निगरानी करने की व्यवस्था सुनिश्चित करें ताकि पीएमजीएसवाई योजनाएं समय तथा सही गुणवत्ता के साथ पूरी हो सकें।

माननीय सभापति :

डॉ. किरिट पी. सोलंकी और

श्री देवजी एम. पटेल अपने आपको श्रीमती रमादेवी द्वारा उठाए मुद्दे से संबद्ध करते हैं।